>

Title: Need to put immediate ban on polluting projects and unbridled mining activities in Western Ghats region of Maharashtra.

**श्री राजू शेट्टी (हातकणंगले) :** महाराष्ट्र का सह्याद्री पर्वत "वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स" में सम्मिलित है और उसी पश्चिमी घाट में आज हो रहे पर्यावरण के विनाश पर हमने तुंत रोक नहीं लगायी तो इसका सबसे ज्यादा असर पुणे, सतारा, कोल्हापुर, सांगली और कोंकण के सिंधुदुर्ग, रत्नागिरी, रायगढ़, ठाणे आदि जिलों पर हो सकता है। समूचे भारत में हिमालय और पश्चिमी घाट पर्यावरण की दृष्टि से बहुत ही संवेदनशील प्रदेश हैं। हिमालय ने अपना रौद्र रूप दिखा दिया है।

पश्चिमी घाट में चल रहे प्रदूषणकारी प्रोजेक्ट के साथ-साथ सबसे ज्यादा गैर कानूनन बॉक्साईट का उत्खनन हो रहा है। बॉक्साइट निकालने का जो कानूनन परमिट लिया जाता है, उससे कई गुणा ज्यादा उत्खनन हो रहा है। मायनिंग लॉबी ने सरकार के सभी नार्म ठुकरा दिये हैं। जिलाधिकारी, कोल्हापुर की अध्यक्षता में एक समिति भी गठित हुई है और इस समिति ने भी इस बारे में अपना विरोध जताया है। मैं भी खुद राज्य सरकार व केन्द्र सरकार से इस बारे में बार-बार शिकायत कर चुका हूँ, लेकिन अभी तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई हैं। इससे पेड़ों की बेशुमार कटाई हो रही है। इस प्रदेश में भारी उद्योग और बड़े-बड़े वाहनों की वजह से यहाँ की भूमि फटने और बड़ी-बड़ी दरारें पड़ने की घटनाएँ बार-बार सामने आ रही हैं। दो साल पहले कोंकण रेल के उपर इसी इलाके में लैंड स्लायडिंग की वजह से हुई थी। बढ़ता पोल्यूशन, सीमेंट कॉंक्रिटीकरण का वन्य प्राणियों पर भी बुरा असर हो रहा है। ये सब चीजें रोकने की नितांत आवश्यकता है, नहीं तो आने वाले समय में यह प्रदेश भी प्राकृतिक आपदा से नहीं बच पायेगा और इसकी पूरी जिम्मेदारी केन्द्र सरकार की होगी।